

भारतीय प्रतभूतियों में 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का FPI नविश

स्रोत: बज़िनेस स्टैंडर्ड

वदिशी पोर्टफोलियो नविशकों (FPI) द्वारा भारतीय प्रतभूतियों में लगभग 1.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का नविश किया गया है, जो वैश्विक नविशकों के लिये भारत के बढ़ते आकर्षण को दर्शाता है।

- यह मार्च 2020 में **कोविड-19** के नमिनतम स्तर 329 बलियन अमेरिकी डॉलर से **तीन गुना वृद्धि** को दर्शाता है। भारत का बाज़ार पूंजीकरण भी चार गुना बढ़कर अब लगभग 5.6 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है।
- भारतीय बाज़ारों ने **मज़बूत दीर्घावधि रटिर्न** प्रदान किया है, जिसमें अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में **सैंसेक्स** के लिये 10-वर्ष का वार्षिक रटिर्न **8.5%** रहा है, जबकि **संयुक्त राज्य अमेरिका (US)** के **डाऊ जोन्स (Dow Jones)** सूचकांक के लिये यह **9.7%** रहा है।
- वर्ष 1991 के **भुगतान संतुलन संकट** के बाद, वर्ष 1992 में भारत के FPI (तब इन्हें वदिशी संस्थागत नविशक (FII) के रूप में जाना जाता था) में उदारता से नविश नियमों और एक सहायक नियामक ढाँचे में बढ़ावा मिला है।
 - FPI में वे **अनवासी शामिल हैं**, जो शेयर, सरकारी बॉण्ड, कॉर्पोरेट बॉण्ड, परिवर्तनीय प्रतभूतियों और बुनियादी ढाँचा प्रतभूतियों जैसी भारतीय वित्तीय परिसंपत्तियों में नविश करते हैं।
 - FPI में **FII, योग्य वदिशी नविशक (QFIs)** और **उप-खाते** जैसे नविश समूह शामिल हैं।
- भारत में FPI प्रवाह के प्राथमिक स्रोत **अमेरिका, सगिापुर और लक्ज़मबर्ग** हैं।

और पढ़ें: [भारत में वदिशी पोर्टफोलियो नविश में परिवर्तन](#)